यीशु का आगमन

23/24 सितंबर

2025

जोशुआ म्हलाकेला

यीशु का आगमन 23/24 सितंबर 2025

केवल मसौदा अनुवाद

ट्रुथ लिमिटेड द्वारा मूल अंग्रेजी में 6 जुलाई, 2025 को पहली बार प्रकाशित

इस प्रकाशन का निःशुल्क संस्करण इंटरनेट आर्काइव से डाउनलोड किया जा सकता है।

इस संदेश की विषयवस्तु सैद्धांतिक रूप से इतनी प्रभावशाली और सार्वभौमिक है कि वे इस ई-पुस्तिका का, बिना किसी कॉपीराइट संबंधी विचार के, किसी भी भाषा या बोली में, स्वतंत्र रूप से अनुवाद करने और इसी प्रकार दुनिया में कहीं भी स्वतंत्र रूप से वितरित करने की माँग करते हैं।

प्रकाशक का नोट

यीशु मसीह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 23 या 24 सितंबर को ईसाई कलीसिया को अपने साथ ले जाने के लिए लौट रहे हैं। ये दोनों तिथियाँ इज़राइल में तुरहियों के पर्व के साथ-साथ यहूदी धार्मिक नव वर्ष (रोश हशाना) वर्ष 5786 के प्रारंभ से मेल खाती हैं। कलीसिया की भाषा में, यह कलीसिया का लंबे समय से प्रतीक्षित स्वर्गारोहण है, और इसकी तुलना यीशु और उनकी कुंवारी "दुल्हन" के रूप में कलीसिया के बीच आध्यात्मिक विवाह से की गई है। यह दुनिया के सभी समय क्षेत्रों में पलक झपकते ही घटित होगा और निस्संदेह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद लोग भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। लाखों लोगों के बिना किसी निशान के गायब हो जाने की आशंका है, अपने उधड़े हुए कपड़े पीछे छोड़ जाने की — और शेष विश्व को सात साल के क्लेश काल में धकेलने की, जो यीशु के दूसरी बार आगमन के साथ समाप्त होगा। इस बार वे 15 सितंबर, 2032 को यहूदियों के प्रायश्चित दिवस (योम किप्पुर) पर खुलेआम ऐसा करेंगे और यरूशलेम से राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु के रूप में पूरी पृथ्वी पर शासन करेंगे।

जोहान्सबर्ग के जोशुआ म्हलाकेला की यह गवाही ऐसी ही है, जिसे एक पूर्व ईसाई अखबार के रिपोर्टर ने उनके लिए यहाँ लिखा है। यह भाई जोशुआ के दो YouTube पॉडकास्ट — गॉड्स वॉइस डेली, और सेंटविंज़, पर आधारित है, जिनका प्रसारण जून 2025 में हुआ था। तब से, उनकी गवाही को एक दक्षिण अफ्रीकी साथी, मसीह में एक बहन, की गवाही से बल मिला है, जिसने आज गवाही दी कि यीशु ने उसे एक लिखित बयान लिखवाया था जिसमें पुष्टि की गई थी कि वह इस आने वाले तुरहियों के पर्व पर लौटेंगे। मारन अथा!

मेरा नाम जोशुआ म्हलाकेला है। मैं जोहान्सबर्ग में रहता हूँ, लेकिन केप टाउन से हूँ। मैं यीशु में विश्वास करता हूँ और आज मैं दुनिया को वह सब कहने के लिए तैयार हूँ जो उन्होंने मुझे कहने के लिए भेजा है। मैं कोई प्रेरित, पादरी या बिशप नहीं हूँ — बस यीशु में रक्त से धुला हुआ एक साधारण पुनर्जन्म लेने वाला विश्वासी हूँ। मैं पिछले कुछ वर्षों से प्रभु के साथ चल रहा हूँ। इसलिए मैं कह सकता हूँ कि मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ। मैं बस सभी से यही कहना चाहूँगा कि स्वर्गारोहण हम पर है। भले ही आप इसके लिए तैयार न हों — यह आपके लिए तैयार है।

1982 में मेरे जन्म से पहले, मेरे पिता ने एक सपना देखा था जिसमें उन्हें मेरा नाम जोशुआ रखने के लिए कहा गया था। यह उस समय की बात है जब गर्भ में पल रहे बच्चे का लिंग निर्धारण करने वाली तकनीक उपलब्ध नहीं थी। हालाँकि, प्रसव संबंधी कुछ जटिलताओं के कारण, डॉक्टर ने मेरे माता-पिता को चेतावनी दी थी कि मैं मृत या घायल अवस्था में पैदा होऊँगा। जब मैं अंततः बिना किसी समस्या के बाहर आया, तो डॉक्टर ने मुझे एक चमत्कारी बच्चा घोषित कर दिया।

जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उसी दिन मेरी माँ मुझे पेट के बल लिटाकर लेटी थीं, तभी उन्हें लगा कि कोई आध्यात्मिक शक्ति उनका गला घोंटने के लिए उन पर आ रही है। इस शक्ति से लड़ते हुए, वह अपना शरीर घुमाने ही वाली थीं कि उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि मैं उनके पेट के बल लेटा हूँ। अगर वह मुड़तीं, तो मैं ज़मीन पर गिर जाता और घायल हो जाता, शायद जानलेवा भी। लेकिन तभी ईश्वर ने उन्हें मेरी उपस्थिति का एहसास दिलाया, इसलिए उन्होंने मुझे मज़बूती से थाम लिया, और वह आत्मा गायब हो गई।

जब मैं लगभग चार या पाँच साल का था, तो मेरे परिवार को जानने वाले किसी व्यक्ति ने मुझे लगभग एक महीने के लिए अगवा कर लिया था। चमत्कारिक रूप से, एक भारतीय व्यक्ति ने पुलिस को खबर दी, और वे और मेरे माता-पिता आकर मुझे बचा ले गए। मुझे उस समय की यादें ताज़ा हैं — बस एक अनजान जगह की चौखट पर बैठकर, बस पूरे दिन रोता रहा।

जब मैं 16 या 17 साल का किशोर था, तब मैं आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा था। मैं अपनी जान लेना चाहता था, और दुश्मन मुझे ऐसा करने के मौके दे रहा था। मुझे एक बार याद है जब मैं अपनी जान लेने की कोशिश कर रहा था, लेकिन जैसे ही मैं ऐसा करने वाला था, भगवान ने मुझे रोक लिया।

तो मौत मेरे जन्म से ही मेरा पीछा कर रही थी। यह एक आम कहावत है कि हर कोई मरेगा, लेकिन बाइबल के अनुसार लोगों का एक समूह ऐसा है जो कभी मौत नहीं देखेगा। 1 कुरिन्थियों 15:51-52 में पौलुस कहता है, "हम सब नहीं सोएँगे।" दूसरे शब्दों में, हम सब नहीं मरेंगे, लेकिन एक पल में, पलक झपकते ही, हम सब बदल जाएँगे। हम नश्वर से अमर हो जाएँगे। भगवान हमें नए शरीर देंगे जिनसे हम कभी नहीं मरेंगे। तो मुझे

लगता है कि मौत की आत्मा मेरा पीछा कर रही थी क्योंकि शायद शैतान को तब भी पता था कि मेरे भविष्य के जीवन का उद्देश्य सभी को यह बताना होगा कि भविष्य में लोगों का एक समूह है जिसे भगवान मौत नहीं देखने के लिए चुनेंगे। इसलिए मौत मेरी दुश्मन है, और मौत भगवान की दुश्मन है।

आमोस 3:7 कहता है, "प्रभु अपने सेवकों, भविष्यद्वक्ताओं पर अपनी योजना प्रकट किए बिना कुछ नहीं करता।" मैं कोई भविष्यवक्ता नहीं हूँ, बल्कि प्रभु का सेवक हूँ। और आज परमेश्वर अपनी योजना दुनिया के लोगों पर भी प्रकट कर रहे हैं।

वर्ष 2000 में मैं ईसाई बन गया। किशोरावस्था में ही आत्महत्या के विचारों से जूझने के बाद मैंने अपना जीवन यीशु को समर्पित कर दिया। मुझे लगता है कि मैं 19 साल का था जब मैं यीशु के पास आया और उन्हें अपना जीवन समर्पित किया। उसी वर्ष, जब मैं जिस चर्च में था, उससे जुड़ा हुआ था, हम लोगों के घर जाकर उनके लिए प्रार्थना करते थे। एक दोपहर, उन घरों से निकलकर सड़क पर आते हुए, मैंने देखा कि हमारे बगल में एक देवदूत खड़ा था जो किसी इमारत या आसपास के सबसे ऊँचे पेड़ जितना ऊँचा था। यह देवदूत तलवार लिए हुए था और हमारी रक्षा के लिए इधर-उधर देख रहा था। हालाँकि, मेरे साथियों को इसकी जानकारी नहीं थी। मैंने तब उनसे कुछ नहीं कहा क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इसका क्या अर्थ निकाला जाए। खैर, एक पुनर्जन्म लेने वाले ईसाई के रूप में आध्यात्मिक दुनिया के मेरे पहले अनुभवों में से एक यह था। कभी-कभी मैं चर्च से या चर्च की ओर जाता, और मैं परमेश्वर की पवित्र आत्मा की उपस्थिति से इतना भर जाता कि मुझे ऐसा लगता जैसे यीशु मेरे बगल में चल रहे हों, हालाँकि मैं उन्हें देख नहीं पाता था।

2003 में, उसी चर्च में जहाँ मैं जाता था, मैं सहायक पादरी बन गया। एक रात मैंने सपने में भविष्य देखा। एक अंधेरी रात में मैंने खुद को एक खुले मैदान में देखा। मैंने ज़मीन की तरफ़ देखा और मुझे एहसास हुआ कि वह जल गई है। सहज ही मुझे पता चल गया कि सिर्फ़ मैं जहाँ था, ज़मीन ही नहीं जली है। पूरी धरती जल गई है! मैं जहाँ था, वहाँ का माहौल बहुत ही भयावह था। जहाँ मैं था, वहाँ रहना बहुत डरावना था। मैं किसी और इंसान को ढूँढ़ने के लिए एक पहाड़ी पर चढ़ने गया क्योंकि मैं उस अंधेरी और डरावनी रात में बिल्कुल अकेला था। मैं पहाड़ी पर चढ़ा, मैंने चारों ओर देखा, लेकिन मुझे कोई और नहीं मिला। मैंने ऊपर तारों की तरफ़ देखा और मुझे तारे दिखाई दिए। तारों को देखकर, मुझे अंदर से एहसास हुआ कि ईसाई विश्वासियों को उस विनाश से पहले स्वर्ग ले जाया गया था जिसका परिणाम मैं यहाँ देख रहा था। फिर मैं जाग गया। जागने के बाद, मुझे ऐसा लगा जैसे ईश्वर ने भविष्य देखने के लिए मुझे बुलाया हो और फिर मुझे वापस ले आए हों।

सात साल बाद, 2010 में, 28 साल की उम्र में, मैंने सहायक पादरी के पद से इस्तीफ़ा दे दिया, यह सोचकर कि "हे परमेश्वर, मैंने आपकी सेवा कर दी है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। अब क्या मैं अपने जीवन पर ध्यान केंद्रित कर सकता हूँ?"

अगले साल, फिर से एक सपने में, मैंने खुद को स्वर्ग की एक अदालत में देखा। मैं अदालत के दरवाज़े के बाहर था। मेरे सामने, अंदर जाने का इंतज़ार कर रहा एक आदमी सचमुच डर से काँप रहा था। मानो उसे पता था कि एक बार अदालत में कदम रखने के बाद, वह बच नहीं पाएगा। खैर, आखिरकार वह अंदर गया, और मुझे नहीं पता कि उसके साथ क्या हुआ। अदालती कार्यवाही इतनी तेज़ थी कि बस कुछ ही सेकंड लगे।

इब्रानियों 9:22 कहता है, "मनुष्य के लिए एक बार मरना नियुक्त है, और उसके बाद न्याय का समय आता है।" तो मुझे पता था कि न्याय के लिए अदालत में आने वाले ये लोग धरती पर पहले ही मर चुके हैं, लेकिन मुझे पता था कि मैं मरा नहीं हूँ। फिर मेरी बारी आई। मैंने खुद को अदालत में एक चर्च जैसी बेंच पर बैठा पाया, और उस कुर्सी की ओर देखा जहाँ आमतौर पर जज बैठते हैं। वहाँ ईश्वर थे — वे जिस आसन पर बैठे थे, उसमें वे बहुत विशाल थे। वे पारदर्शी थे, इसलिए मैं उनका रूप नहीं पहचान पाया, लेकिन फिर भी मैं जान गया कि वे ईश्वर ही थे। मेरे बाईं ओर ईसा मसीह एक आदमकद मानव शरीर धारण किए हुए थे, जो मेरे वकील के रूप में प्रकट हो रहे थे। मेरे दाहिनी ओर शैतान था और उसके हाथ में एक मोटी फाइल थी जिसमें मेरे द्वारा किए गए सभी पापों का विवरण था। तो शत्रु शैतान मुझ पर परमपिता परमेश्वर और न्यायाधीश के सामने आरोप लगा रहा था, लेकिन तभी ईसा मसीह आगे आए। जब वे आगे आए, तो वहीं और तुरंत मुझे मेरे सभी पापों से बरी कर दिया गया। दक्षिण अफ्रीका में, अगर आपको किसी अदालत द्वारा दोषी ठहराया जाता है और जेल की सजा सुनाई जाती है, तो आपको अदालत कक्ष से सीढ़ियों से नीचे एक हिरासत कक्ष में ले जाया जाता है, और फिर जेल ले जाया जाता है। तो यह इस स्वर्गीय अदालत में था। अगर आप बच नहीं पाते, तो आप उन सीढ़ियों से नीचे नर्क में जाते हैं, लेकिन अगर बच निकलते हैं, तो आप स्वर्ग में जाते हैं। बरी होने के बाद, मैं स्वर्ग गया। जब मैं वहाँ पहुँचा, तो दिन का समय था, और मैंने देखा कि लोग चारों ओर बैठे हैं। उनके कपड़ों से अंदाज़ा लग रहा था कि वे स्कूली बच्चे और जेल के कैदी थे। लेकिन वे स्वर्ग में थे — उन्होंने अपनी जगह बना ली थी!!!

तभी यीशु मेरे सामने एक सफ़ेद वस्त्र में प्रकट हुए। मैं उन्हें अभी-अभी वहाँ अदालत में छोड़कर आया था, लेकिन फिर उन्हें स्वर्ग में फिर से पाया। यह पहली बार था जब मैंने यीशु को किसी दर्शन या स्वप्न में इतने क़रीब से देखा था। वे मध्य-पूर्वी लग रहे थे। उनके गहरे भूरे बाल गर्दन तक थे। वे करीने से कटी हुई दाढ़ी के साथ बहुत सुंदर थे। एक चीज़ जिसने मेरा ध्यान खींचा, वह थी उनकी आँखें। मैं दंग रह गया। मैं बस उन्हें देखता रहा। मैं अपनी नज़रें उनकी आँखों से हटा नहीं पा रहा था। मैं — मुझे नहीं पता कि यह सही शब्द है या नहीं क्योंकि अंग्रेज़ी मेरी मातृभाषा नहीं है — मंत्रमुग्ध था। मैं इस एहसास से इतना अभिभूत था कि मेरे रचयिता, जिनसे मैं प्रेम करता हूँ, मेरे ठीक सामने खड़े थे! उन्होंने मेरी ओर देखा और बिना कुछ कहे, मन ही मन आज्ञाएँ दीं। फिर रथ प्रकट होने लगे और मेरे सामने कतार में खड़े हो गए, इतने सारे कि मैं उन्हें गिन नहीं सका। कोई उन्हें चला नहीं रहा था। वे अंदर अच्छी तरह पॉलिश किए हुए लकड़ी के टुकड़े ले जा रहे थे,

जिनमें से कुछ पर ही उनके नाम लिखे थे। यीशु ने मुझसे कहा — फिर से मन ही मन, लेकिन मैंने उसे ज़ोर से और साफ़ सुना, "तूने बहुत कम लोगों को बचाया है।"

फिर उन्होंने उन ढेरों लकड़ी के टुकड़ों की ओर देखा जिनके नाम नहीं थे, और कहा, "तुम्हें इन सभी लकड़ी के टुकड़ों को आत्माओं से भरना होगा।" और फिर मैं जाग गया। जब मैं उठा, तो मैंने मन ही मन सोचा कि शायद ईश्वर चाहते हैं कि मैं आत्मा-विजेता बनूँ और एक चर्च खोलूँ। फिर से, अपने पहले सपने की तरह, मुझे लगा कि मैं स्वर्ग से वापस आ रहा हूँ। और मैंने अपने चारों ओर उनकी उपस्थिति महसूस की।

तो पाँच साल बाद, 2016 में, मैंने एक हाउस चर्च शुरू किया। मैंने लोगों को बुलाया, वे आए और मैंने उनके लिए प्रार्थना की। यह लगभग एक महीने तक चलता रहा, लेकिन हर बार जब मैं वहाँ ईश्वर का वचन बाँटने और उनके साथ प्रार्थना करने जाता, तो मेरे दिल में शांति नहीं होती थी, मुझे अच्छा नहीं लगता था। आखिरकार, मैंने कलीसिया को बता दिया कि मैं यह काम छोड़ रहा हूँ। उन्हें अब हाउस चर्च के अंदर प्रार्थना के लिए आने की ज़रूरत नहीं थी। फिर मैं बाहर गया, जाने के लिए तैयार था, तभी आँगन में एक बूढ़ी औरत मेरे पास आई। उसने मुझसे अपने लिए प्रार्थना करने को कहा, तो मैंने उसके सिर पर हाथ रखे, उसने आँखें बंद कर लीं, मैंने भी आँखें बंद कीं और उसके लिए प्रार्थना की। जैसे ही मैंने ऐसा किया, मुझे अपने हाथ में बिजली का झटका सा लगा। प्रार्थना करते हुए मैंने आँखें खोलीं और वह बुढ़िया यहीं थी, लेकिन उसके बगल में — अब मैं सो नहीं रहा था, यह कोई सपना नहीं है, मैं खुले आसमान के नीचे हूँ — यीशु मेरे ठीक सामने प्रकट हुए, उसके बगल में खड़े होकर मुझे देख रहे थे। लेकिन अब उन्होंने सफ़ेद वस्त्र नहीं पहना हुआ था। उन्होंने नीले या गहरे नीले रंग का एक राजसी वस्त्र पहना हुआ था जो उनके पैरों तक पहुँच रहा था। अपने चौड़े कंधों और शक्तिशाली वक्ष के साथ वे बहुत मज़बूत लग रहे थे। जब मैंने उनकी छाती को देखा तो ऐसा लगा जैसे मुझे वहाँ अंतरिक्ष की आकाशगंगाओं जैसी आकाशगंगाएँ दिखाई दे रही हों। और मेरे मन में यह विचार आया: यही तो है जो ब्रह्मांड को एक साथ जोड़े हुए है! और जब मैं उन्हें आमने-सामने देख रहा था, तो वे मुस्कुराए और गायब हो गए। मुझे लगा कि उनकी मुस्कान यह कहने के लिए थी, "शाबाश!" इस चर्च को बंद करने के लिए। क्योंकि मेरे लिए उनकी ऐसी कोई योजना नहीं थी; मुझे चर्च नहीं खोलना था। और जब मैंने प्रार्थना पूरी की, तो उस बुढ़िया ने अपनी आँखें खोलीं और मुझसे कहा, "क्या तुम्हें पता है कि जब तुम मेरे लिए प्रार्थना कर रहे थे, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे कंधों से कोई बोझ उतर गया हो, और उसके बाद मैं बहुत हल्का महसूस कर रही हूँ?" मुझे पता था कि यह यीशु की उपस्थिति के कारण था।

2016 में, एक और सपने या दर्शन में, मैंने यीशु को स्वर्ग में देखा, वही भव्य वस्त्र पहने हुए और एक ऐसी इमारत के बाहर खड़े थे जो स्तंभों वाले अग्रभाग वाली संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय की इमारत जैसी दिखती थी। वहाँ उन्होंने मुझसे स्पष्ट रूप से कहा, "तुम्हें चर्च नहीं खोलना चाहिए।" मुझे बस उन्हें दुनिया के जल्द ही आने वाले राजा के रूप में घोषित करना था।

2017 में एक सपने में मुझे स्वर्ग ले जाया गया जहाँ एक सिंहासन कक्ष में मैंने यीशु को अपने सिंहासन पर बैठे देखा, उनकी बाहें आर्मरेस्ट पर टिकी हुई थीं। मैं उनके सिंहासन के चारों ओर फर्श पर धुंध देख सकती थी, और मुझे एक ऐसी आवाज़ सुनाई दे रही थी मानो दुनिया में कोई युद्ध आ रहा हो। मुझे यही आभास हुआ। दुनिया में कुछ बहुत ही गंभीर घटने वाला था। मैंने यीशु की ओर देखा। फिर से, बिना मुँह खोले, मैं उन्हें अपने मन से, बहुत ज़ोर से और साफ़-साफ़ कहते हुए सुन सकता था, "मैं जल्द ही आ रहा हूँ!" ये शब्द कहते ही, वे अपने आर्मरेस्ट को पकड़े हुए खड़े होने लगे। लेकिन इससे पहले कि वे पूरी तरह से खड़े हो पाते, उनमें से एक शक्ति निकली और मुझे कुछ ही सेकंड में, बिना किसी नुकसान के, स्वर्ग से पीछे की ओर उड़ा दिया। मैं अपने बिस्तर पर गिर पड़ा। जैसे ही मैं अपने बिस्तर पर गिरा, मेरी नींद खुल गई और मैं चीख पड़ा, मुझे उनकी उपस्थिति का एहसास बहुत ज़ोर से हुआ। मेरी पत्नी मेरे बगल में सो रही थी। उसने मुझसे पूछा, "क्या हुआ?" आज तक मुझे नहीं पता कि मैंने उनसे ऐसा क्यों कहा, लेकिन मेरे मुँह से यही जवाब निकला, "मैंने स्वर्ग में एक आदमी को देखा।"

अब मैं सोचता था कि मैं बड़ा होकर एक बूढ़ा ईसाई बन जाऊँगा, और शायद नब्बे साल की उम्र में चल बसूँगा। लेकिन 2018 में यह सब बदल गया। उस साल, फिर से एक सपने में, मैंने ईश्वर को नहीं देखा, लेकिन उनकी बहुत तेज़ आवाज़ सुनी। जो लोग यह सुन रहे हैं — कृपया ध्यान दें कि मैं आगे क्या कहने वाला हूँ। मेरे कहे शब्दों पर ध्यान दें क्योंकि मेरे कहे गए कोई भी शब्द व्यर्थ नहीं जाएँगे। इनमें से कोई भी शब्द व्यर्थ नहीं होगा क्योंकि ये स्वयं ईश्वर की ओर से हैं। दूसरे शब्दों में, ये पूरे होंगे। इस सपने में उन्होंने कहा, "2026 का विश्व कप नहीं होगा क्योंकि जो लोग पीछे छूट जाएँगे उनके लिए धरती पर जीवन सामान्य नहीं रहेगा।" फिर मैं जागा। मैं फ़ुटबॉल का प्रशंसक नहीं हूँ, इसलिए जब मैं उठा, तो मुझे पता ही नहीं था कि पिछला विश्व कप कब हुआ था, या अगला कब होगा। बाद में, मैंने जाँच की और पाया कि पुरुष फ़ुटबॉल विश्व कप 2026 के मैच मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में होने हैं।

बाद में 2018 में, एक सुबह मैं जल्दी उठा, बत्ती जलाई और अपनी बाइबल पढ़ने लगा। यीशु मेरे सामने एक सफ़ेद वस्त्र में प्रकट हुए। यह कोई सपना नहीं था, क्योंकि मैं जाग रहा था। मैं उन्हें आमने-सामने देख रहा था, तभी उन्होंने बिना मुँह खोले मन ही मन ये शब्द कहे, "1948 में जब से इस्राएल एक राष्ट्र बना है, तब से निर्गमन में 77 वर्ष बीत जाएँगे।" उन्होंने "स्वर्गारोहण" शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन मैं समझ गया कि वे इसी शब्द का ज़िक्र कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, "2025 में, 23 और 24 सितंबर को, मैं अपनी कलीसिया लेने आऊँगा। इन दो दिनों में कोई नहीं जान पाएगा कि मैं किस दिन या किस घड़ी आऊँगा। उसके बाद, पीछे छूट गए लोगों के लिए पृथ्वी पर सात साल का क्लेश होगा। 2032 में, 15 सितंबर को, मैं राजा के रूप में पृथ्वी पर लौटूँगा।"

ये शब्द कहने के बाद वे अंतर्ध्यान हो गए, और मैं दंग रह गया। उस समय मुझे मेघारोहण, द्वितीय आगमन और क्लेश के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी। जब मैं जवान था और ईसाई बनना शुरू कर रहा था, तब एक पादरी ने मुझे बताया था कि भविष्य में कुछ कष्ट होंगे और ईसाइयों को उनसे गुज़रना होगा। मुझे बस इतना ही पता था। मुझे नहीं पता था कि मेघारोहण के ज़रिए कोई बचाव का रास्ता है। मैंने इसके बारे में इधर-उधर सुना होगा, लेकिन मुझे ज़्यादा कुछ पता नहीं था।

अब मुझे पता है कि ये बहुत विवादास्पद विषय हैं, लेकिन परमेश्वर ने एक दिन मुझे यशायाह 55 पढ़ने को कहा, जहाँ उन्होंने कहा है, "मेरा कोई भी वचन मुझे छोड़कर व्यर्थ न लौटेगा।" और फिर उन्होंने कहा कि वे मुझे सिखाना शुरू करेंगे। वे मेरे मन के ज़रिए सोचना शुरू करेंगे। मैं परमेश्वर नहीं हूँ, लेकिन वे मेरे मन में विचार डालेंगे ताकि मैं इन मामलों को और समझ सकूँ। वे मुझे पिछले मेघारोहण — एलियाह के — के बारे में 2 राजा 2:1-11 में ले गए। जब एलिय्याह और एलीशा साथ थे, तो भविष्यद्वक्ता उनके पास आए और एलीशा से पूछा, "क्या तुम जानते हो कि आज तुम्हारा स्वामी तुमसे अलग कर दिया जाएगा?" और एलीशा ने उनसे कहा, "हाँ, मैं जानता हूँ।" और कहीं और से आए दूसरे नबियों ने भी ऐसा ही किया। उन्होंने उससे भी यही सवाल पूछा, और उसने भी यही कहा, "हाँ, मुझे पता है।" आखिरकार एलिय्याह ने एलीशा से कहा, "इससे पहले कि मैं तेरे पास से उठा लिया जाऊँ, मुझे बता कि तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिए करूँ।" इस तरह मैंने देखा कि एलिय्याह के स्वर्गारोहण का दिन उनके लिए कोई रहस्य नहीं था। दरअसल, परमेश्वर ने इसे नबियों, एलीशा और एलिय्याह को प्रकट किया था। इसलिए परमेश्वर ने मुझे दिखाया कि वह इस आने वाले स्वर्गारोहण के लिए भी यही करेगा।

इसलिए मैंने इस विषय का गंभीरता से अध्ययन करना शुरू किया। तब मुझे पता चला कि परमेश्वर ने सात पर्व स्थापित किए थे, और यीशु ने अपने जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा उनमें से चार पर्व पूरे कर लिए थे — फसह, अखमीरी रोटी, प्रथम फल और पिन्तेकुस्त। अब केवल तीन पर्व बचे हैं — तुरहियों का पर्व, प्रायश्चित का दिन और मण्डप।

लैव्यव्यवस्था 23 हमें बताता है कि तुरहियों का पर्व एक दिन के आयोजन के रूप में स्थापित किया गया था। इसकी शुरुआत अमावस्या के दृश्य दर्शन से हुई। लेकिन अमावस्या के उस छोटे से अर्धचंद्र के भौतिक अवलोकन की अनिश्चितता के कारण, एक दिन की अवधि को बाद में दो दिन तक बढ़ा दिया गया। अंततः इस स्थिति ने इस तुरहियों के पर्व के संदर्भ में इब्रानी कहावत "दिन या घड़ी कोई नहीं जानता" को जन्म दिया।

जैसा कि पहले बताया गया है, यीशु ने निर्गमन शब्द का प्रयोग किया था, लेकिन वे मेघारोहण की बात कर रहे थे। 1948 में इज़राइल की स्थापना के सतहत्तर वर्ष बाद, हम इसी वर्ष, 2025 में पहुँचते हैं।

और 2025 में, 23 और 24 सितंबर तुरहियों के पर्व के दो दिन होंगे। इसलिए यह समय की वह छोटी अवधि होगी जब कलीसिया का मेघारोहण होगा। सात साल बाद, 2032 में, 15 सितंबर प्रायश्चित का दिन होगा जब यीशु राजा के रूप में पृथ्वी पर लौटेंगे।

तो उन्होंने मुझे विश्व कप के बारे में क्यों बताया? 1 थिस्सलुनीकियों 5:5 हमें बताता है कि एक समय आएगा जब लोग दुनिया भर में शांति और सुरक्षा के आगमन का ज़ोरदार स्वागत करेंगे। कम से कम यही वादा आने वाला करिश्माई मसीह-विरोधी, स्वर्गारोहण के बाद दुनिया से करेगा। शायद सचमुच शांति होगी, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह कब तक रहेगी। लेकिन जून 2026 तक दुनिया इतनी भयावह स्थिति में होगी, इतनी अराजकता और विनाश होगा कि फीफा अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में विश्व कप मैच आयोजित नहीं कर पाएगा।

मत्ती 24:36 में यीशु ने कहा कि कोई भी मेघारोहण का दिन या समय नहीं जानता। लेकिन अगर आप इंटरनेट पर इसे गूगल करें, तो आपको ऐसी वेबसाइटें मिल जाएँगी जो बताती हैं कि यह मुहावरा असल में तुरहियों के पर्व के लिए एक इब्रानी मुहावरा है। तुरहियों का पर्व मूलतः एक दिन का उत्सव था, और इसकी शुरुआत "नए चाँद" के प्रत्यक्ष दर्शन से होती थी। प्रत्यक्ष दर्शन की अनिश्चितता के कारण, यह एक दिन का उत्सव दो दिनों तक खिंच गया। इसलिए कहा जा सकता है कि कोई भी अमावस्या का दिन या समय नहीं जानता था — और फलस्वरूप तुरहियों के पर्व का भी — और अंततः मेघारोहण का भी।

लेकिन यहाँ यह पारंपरिक यहूदी विवाह रीति-रिवाजों का भी प्रतिबिंब है। जब दूल्हे का पिता विवाह की तिथि तय कर लेता है, तभी वह अपने बेटे से कहता है, "जाओ और अपनी दुल्हन को ले आओ।" इस प्रकार विवाह का दिन या समय कोई नहीं जानता, यहाँ तक कि पुत्र भी नहीं, बल्कि केवल पिता ही जानता है। कलीसिया यीशु की दुल्हन है, इसलिए मेघारोहण यीशु और कलीसिया के बीच विवाह जैसा होगा। पृथ्वी पर यह उस दिन घटित होगा जिसके बारे में पृथ्वी पर कोई नहीं जानता, यहाँ तक कि पृथ्वी पर पुत्र भी नहीं, बल्कि केवल पिता ही जानता है।

और यदि आप 1 कुरिन्थियों 15:51-52 देखें, तो पौलुस "अंतिम तुरही" का उल्लेख करके यीशु से सहमत होता है। अब बहुत से लोग जब "अंतिम तुरही" पढ़ते हैं, तो वे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक की ओर दौड़ पड़ते हैं और कहते हैं कि अंतिम तुरही क्लेश के दौरान सातवें स्वर्गदूत द्वारा फूँकी गई सातवीं तुरही है। यह गलत है। तुरही के पर्व के दौरान 99 बार शॉफ़र बजाया जाता है, उसके बाद 100 वीं बार बजाया जाता है और वह अंतिम तुरही "अंतिम तुरही" होती है।

1 थिस्सलुनीकियों 5:1 कहता है, "अब, हे भाइयो और बहनो, समयों और तिथियों के विषय में हमें तुम्हें लिखने

की आवश्यकता नहीं है।" पौलुस के लिए थिस्सलुनीकियों को "प्रभु के दिन" के समयों और तिथियों के बारे में लिखना आवश्यक नहीं था। ऐसा इसलिए था क्योंकि प्रभु का दिन अगले 2,000 वर्षों तक उनसे छिपा रहेगा, लेकिन अंत समय की कलीसिया के सामने प्रकट होगा। और पद 4 में पौलुस कहता है कि वह दिन उन लोगों के लिए आश्चर्य की बात नहीं होगा जो प्रकाश में हैं, बल्कि एक चोर की तरह उन लोगों को आश्चर्यचकित करेगा जो अंधकार में हैं।

इब्रानियों 10:25 हमें प्रोत्साहित करता है कि हम एकत्रित होने में लापरवाही न बरतें, बल्कि जैसे-जैसे हम उस दिन को निकट आते देखते हैं, हमें एकत्रित होने में और भी अधिक समय लगाना चाहिए। और मैं तुमसे कहता हूँ कि यह कोई यादृच्छिक दिन नहीं है, बल्कि समय की एक निश्चित अवधि है जिसे कोई निकट आते हुए देख सकता है।

प्रेरितों के काम 1:6-7 में यीशु के पुनरुत्थान के बाद उसके शिष्यों ने उससे पूछा, "क्या तू इसी समय इस्राएल का राजा बनेगा?" परन्तु उसने उनसे कहा, "पिता ने अपने अधिकार से जो समय और ऋतुएँ निर्धारित की हैं, उन्हें जानना तुम्हारा काम नहीं है। परन्तु तुम यहूदिया, सामरिया और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।" दूसरे शब्दों में, यीशु के लौटने और इस्राएल में राजा बनने का समय उनकी चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। आखिरकार, यह 2,000 साल बाद घटित होना था।

यह ऐसा है जैसे दानिय्येल को अंत समय तक अपने शब्दों को बंद रखने और अपनी पुस्तक को सीलबंद करने के लिए कहा गया हो। इसलिए अंत समय में कलीसिया पर एक रहस्योद्घाटन होगा, जो अंत समय का ही एक रहस्योद्घाटन होगा।

इसलिए मैं दक्षिण अफ्रीका और दुनिया को चेतावनी देने के लिए लिख रहा हूँ कि यीशु लौट रहे हैं। अगर आप अपने जीवन में यीशु के बिना पाते हैं या आपने अपना जीवन यीशु को समर्पित नहीं किया है — तो याद रखें कि समय निकट आ रहा है। परमेश्वर ने लोगों के लिए उन्हें ग्रहण करने का जो समय निर्धारित किया है, वह अनुग्रह की अवधि जिसमें परमेश्वर ने कलीसिया को दुनिया तक पहुँचने का समय दिया है ताकि सभी यीशु को ग्रहण कर सकें और बचाए जा सकें, समाप्त हो रही है।

स्वर्गारोहण होगा। दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया भर के लाखों ईसाई एक पल में गायब हो जाएँगे। ईसाइयों के संसार से चले जाने के बाद, परमेश्वर का न्याय संसार पर आएगा।

दुनिया 2026 के विश्व कप की तैयारी में जुटी है। लेकिन 2025 के स्वर्गारोहण के बाद दुनिया में इतनी अराजकता, तबाही और विनाश होगा कि जून 2026 तक, विश्व कप के कोई भी मैच नहीं खेले जाएँगे। दुनिया

एक अनजानी जगह बन जाएगी।

तो एक बार फिर मैं आप सभी से विनती और प्रार्थना करने आया हूँ — कृपया यह न सोचें कि आपके पास बहुत समय है। आपके पास बहुत समय नहीं है। याद रखें कि मुझे चर्च खोलने के लिए नहीं बुलाया गया था। मैंने कभी सोचा था कि ईश्वर ने मेरे लिए यही सोचा है। लेकिन तब से, मुझे पता चला है कि मेरा बुलावा दुनिया को यह घोषणा करने का है कि सबसे बढ़कर, यीशु जीवित हैं और वह जल्द ही वापस आ रहे हैं। तो, दुनिया, तैयार हो जाओ। अपने सारे पाप पीछे छोड़ दो और मसीह के पास आओ जहाँ तुम्हें मुक्ति मिलेगी। यह अंतिम समय है। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं अकेला बुलावा हूँ, लेकिन मैं ईश्वर के आखिरी बुलावों में से एक हूँ। इसलिए मैं सभी से अपील करता हूँ — आम नागरिक, व्यापारी, मशहूर हस्तियां, सरकारी मंत्री, दुनिया भर के हर महाद्वीप के देशों के राष्ट्रपति — अपना जीवन अभी यीशु को सौंप दें क्योंकि स्वर्गारोहण का समय निकट है।

2019 में मैंने टॉम हॉर्न को एक टीवी शो में अपनी किताब, द वर्मवुड प्रोफेसी, के बारे में बोलते हुए देखा था। अब वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन शो में उन्होंने बताया कि उन्हें नासा के एक कर्मचारी से जानकारी मिली है कि 2029 में शुक्रवार 13 तारीख को एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराएगा। हॉर्न ने बताया कि जब उन्हें एहसास हुआ कि वह क्षुद्रग्रह प्रकाशितवाक्य 8 में वर्णित जलता हुआ तारा हो सकता है, तो वे स्तब्ध रह गए। अगर यह तारीख सात साल के क्लेश काल के मध्य बिंदु को चिह्नित करती है, तो साढ़े तीन साल पीछे गिनने पर 2025 आता है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि उनकी समग्र भविष्य की समयरेखा सही थी, जो मूल रूप से मेरी समयरेखा से मेल खाती है।

मुझे आखिरी बड़ा दर्शन 2018 में मिला था। बेशक, उसके बाद से मैं इसके बारे में पहली बार नहीं बोल रहा हूँ। उदाहरण के लिए, मैंने गॉड्स वॉइस डेली इंटरनेशनल पॉडकास्ट पर बात की थी। मेरा अपना YouTube चैनल भी है जहाँ मैं यह संदेश देने की कोशिश करता हूँ। मैं यहाँ चैनल का नाम नहीं बताऊँगा क्योंकि मैं यहाँ अपना प्रचार करने नहीं आया हूँ।

यीशु की मृत्यु हुई, उन्हें दफनाया गया, फिर से जी उठे और 32 ईस्वी में स्वर्ग चले गए। बाइबल के कुछ विद्वान मानते हैं कि वे 2,000 वर्षों के लिए चले गए और फिर वापस आ गए। अगर आप 32 ईस्वी में 2,000 वर्ष जोड़ दें, तो आप मसीह के आगमन के वर्ष के रूप में 2032 में पहुँच जाते हैं। लेकिन उससे पहले सात वर्ष क्लेश के होंगे, इसलिए अगर आप 2032 में से सात वर्ष घटा दें, तो आप इस वर्ष, 2025 में पहुँच जाते हैं!

निःसंदेह बहुत से लोग मुझे बताएँगे कि पहले भी कई लोगों ने इस तरह की तिथियाँ तय की हैं। ये सब व्यर्थ हो गईं — लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। मुझे पूरा यकीन है कि कलीसिया का स्वर्गारोहण इस 23 या 24

सितंबर को होगा। मैं दुनिया से इसके लिए तैयार रहने का अनुरोध करता हूँ। अपना जीवन यीशु को समर्पित करना सुनिश्चित करें। वही मार्ग, सत्य और जीवन हैं। वह भगवान है.